Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 26

No. of Printed Pages – 7

VU–21–Hindi Sah.(Supp.)

यहाँ से काटिए

वरिष्ठ उपाध्याय पूरक परीक्षा, 2018

VARISTHA UPADHYAYA SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2018

हिन्दी साहित्य

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द–सीमा में ही सुपाठ्य लिखें।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

1) 'द्विवेदी युग को जागरण सुधार काल कहा जाता है।' क्यों? इस युग के गद्य साहित्य की विशेषताओं का वर्णन करो। (उत्तर सीमा 80 शब्द) **[4]**

2) प्रगतिवादी काव्य धारा का आशय स्पष्ट करते हुए प्रगतिवादी काव्य की प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) **[4]**

3) भारतेन्दु युगीन प्रमुख नाटककारों का परिचय लिखिए ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) **[4]**

4) नई कविता की विशेषताओं को समझाते हुए नई कविता के कवियों का उल्लेख कीजिए ।

(उत्तर सीमा 80 शब्द) **[4]**

खण्ड – 'ब'

5) चढ़ चेतक पर तलवार उठा रखता भूतल पानी को ।

राणा प्रताप सिह काट काट कर करता सफल जवानी को ।। उपरोक्त काव्य पंक्तियों में कौन सा काव्यगुण प्रकट हुआ है? लिखिए । (उत्तर सीमा 10 शब्द) **[1]**

6) ग्राम्यत्व दोष किसे कहते हैं? लिखिए । (उत्तर सीमा 10 शब्द) **[1]**

7) सवैया और कवित्त छंद के अंतर को समझाइये । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

8) द्रुत विलम्बित छंद को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

9) प्रतीप अलंकार की परिभाषा उदाहरण देकर समझाइये । (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4]

10) विशेषोक्ति अलंकार किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाइये । (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4]

खण्ड – 'स'

11) निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए : [3]

शिरीष तरू सचमुच पक्के अवधूत की भाँति मेरे मन में ऐसी तरंगें जगा देता है जो ऊपर की ओर उठती रहती हैं। इस चिलकती धूप में इतना सरस वह कैसे बना रहता है? क्या ये बाह्य परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, लू अपने आप में सत्य नहीं है? हमारे देश के ऊपर से जो यह मारकाट, अग्निदाह, लूटपाट, खून–खच्चर का बवंडर बह गया है, उसके भीतर भी क्या स्थिर रहा जा सकता है? शिरीष रह सका है।

अथवा

जिस नई शिक्षा पद्धति को हम पर लादा गया, उसके द्वारा हमें वही पढ़ाया गया जो अंगरेज चाहते थे । उन्होने विज्ञान के नाम पर मात्र 19 वीं शताब्दी में हुए आविष्कार ही पढ़ाए । इतिहास के नाम पर विकृत इतिहास पढ़ाकर भारतीय समाज के आत्मसम्मान को नष्ट करने का प्रयास किया तथा उसे आत्म विस्मृति की गहरी खाई में ढकेल दिया । हमें पढ़ाया गया कि यहाँ पहले कुछ था ही नहीं । उसे अंधकार युग का नाम दिया और बाद में किये सारे कार्यों को अपना बताया ।

12) निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या अधिकतम 60 शब्दों में कीजिए : [3]

तव बल नाथ डोल नित धरनी । तेजहीन पावक ससि तरनी ।।

सेश कमठ सहि सकहि न भारा । सो तनु भूमि परेउ भरि छारा ।।

बरुन, कुबेर सुरेश समीरा । रन सन्मुख धरि काहुँ न धीरा ।।

भुज बल जितेहु काल बल सोईं । आज परेहु अनाथ की नाईं ।।

अथवा

क्षमा शोमती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो,

उसको क्या जो दंतहीन विषरहित विनीत सरल हो?

तीन दिवस तक पंथ माँगते रघुपति सिन्धु किनारे,

बैठे पढ़ते रहे छंद अनुनय के प्यारे – प्यारे ।

उत्तर में जब एक नाद भी, उठा नहीं सागर से,

उठी अधीर धधक पौरुष की आग राम के शर से ।

13) भक्ति आन्दोलन के भावात्मक सूत्रों को तुलसीदास ने एक सूत्र में बाँधने का श्रेष्ठ कार्य किया है । कैसे ? 'भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास' पाठ के आधार पर समझाइये । (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4]

अथवा

जैनेन्द्र की कहानी 'पाजेब' का मूल कथ्य पठित कहानी के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए ।

14) दिनकर का काव्य न्याय, पौरुष तथा शौर्य के कालजयी स्वरों का आह्वान है। कुरूक्षेत्र के पठित अंश को दृष्टिगत रख कर उक्त कथन को समझाइये । (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4]

अथवा

'धनानंद प्रेम की पीर के गायक थे ।' कथन की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए ।

15) भारतीय संस्कृति के स्वरूप की पठित पाठ के आधार पर विवेचना कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

अथवा

महादेवी वर्मा के संस्मरणों में प्रयुक्त चित्रमयी भाषा का 'अलोपी' संस्मरण के आलोक में वर्णन कीजिए ।

16) 'गुल्ली–डंडा कहानी का उपसंहार पद – प्रतिष्ठा प्राप्त मनुष्य के दर्द एवं करुणा को उकेरता है।' पठित कहानी के आधार पर समझाइये । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

17) प्रीतम छवि नैनन बसी, पर छवि कहाँ समाय ।

भरी सराय रहीम लखि, पथिक आप फिर जाय ।। दोहे का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

18) 'पेशोला की प्रतिध्वनि' कविता के माध्यम से जयशंकर प्रसाद आम जन को क्या कहना चाहते हैं? समझाइये । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

19) श्रीधर पराड़कर अथवा नरेश मेहता के व्यक्तित्व और कृतित्व पर टिप्पणी लिखिए । (उत्तर सीमा 40 शब्द)[2]

20) 'मिठाईवाला' कहानी में कथानायक विविध रूपों में प्रकट हुआ है। कौन कौन से रुपों में है? लिखिए ।

(उत्तर सीमा 40 शब्द) [2]

21) पद्‌माकर के अनुसार धर्म का मूल क्या है? स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा 40 शब्द) [2]

खण्ड – 'द'

22) 'हमारी पुण्यभूमि और उसका गौरवमय अतीत' के अनुसार स्वामी विवेकानन्द के भाषण की वर्तमान समय में उपादेयता क्या है? अपने विचार लिखिए । (उत्तर सीमा 80 शब्द) [4]

अथवा

'शैशव के संस्कारों ने मुझे नाटककार बना दिया ।' शैशव के कौन से संस्कार तथा कौन सी घटना थी, जिसने डॉ. रामकुमार वर्मा को नाटककार बना दिया ? वर्णन कीजिए ।

23) 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:।' उक्त सूक्ति युवाओं के लिये राष्ट्र के प्रति त्याग – बलिदान की प्रेरणा है, कैसे? पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) [3]

24) 'सुभद्रा' संस्मरण के आधार पर लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) **[3]**

25) 'निर्वासित' कहानी लिखने के पीछे कहानीकार सूर्यबाला का उद्देश्य क्या है? समझाइये ।

(उत्तर सीमा 60 शब्द) **[3]**

26) लेखक को प्रथम दर्शन जन्य अनुभव में महान वैज्ञानिक जगदीशचन्द्र बोस का व्यक्तित्व कैसा लगा ? वर्णन कीजिए । (उत्तर सीमा 60 शब्द) **[3]**

DO NOT WRITE ANYTHING HERE